नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया

भाग - 2

लेखिका - चपला देवी

मुरारी लाल शर्मा

द्वितीय अन्विति

इसी समय प्रधान सेनापति जनरल अउटरम--- (पृष्ठ 52)

----------सबने उसे देवी समझकर प्रणाम किया।(पृष्ठ55)

प्रथम भाग में मैना का राजमहल नष्ट न करने को सर टामस 'हे' से अनुरोध करना और जनरल 'हे' के मन में मैना के प्रति दया भाव आने तक का वर्णन पढ़ चुके हैं। अब उससे आगे-

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
संध्या	शाम
स्मृति-चिह्न	याद रखने योग्य निशानी
दुर्दांत	अत्यधिक भयंकर
कलंक	धब्बा
भग्नावशिष्ट	टूटे-फूटे खंडहर
प्रासाद	महल
कराल	भयंकर
आर्त्त	दुखी
पाषाण-हृदय	पत्थर (कठोर) हृदय
अनुपमा	जिसकी समानता न की जा सके

इस भाग की विषय वस्तु

1. सेनापति सर टामस ‘हे’ का जनरल अउटरम से अनुरोध
2. लार्ड केनिंग के सख्त आदेश
3. टाइम्स में छपा पत्र
4. मैना की क्रूर हत्या

जनरल अउटरम

जब सेनापति ‘हे’ और मैना संवाद कर रहे थे, तभी जनरल अउटरम वहाँ पहुँचे। उन्होंने बिगड़कर पूछा कि नाना साहब का महल तौड़ा क्यों नहीं गया? सेनापति ‘हे’ ने उस महल को बचाने का अनुरोध किया तो अउटरम ने कह दिया कि यह असंभव है। अंग्रेज़ नाना साहब पर बहुत क्रुद्ध हैं। इसके लिए गवर्नर जनरल की आज्ञा लेनी पड़ेगी। सेनापति ‘हे’ ने गवर्नर जनरल लार्ड केनिंग को तार भेजने का सुझाव दिया। बाद में अउटरम ने ही मैना को गिरफ्तार किया था।

लार्ड केनिंग

जनरल अउटरम के तार के जवाब में लार्ड केनिंग ने नाना साहब के महल को तोड़ने और मैना को गिरफ्तार करने का तार द्वारा सख्त आदेश दिया। अउटरम के सैनिकों ने महल का कोना-कोना छान मारा, पर उन्हें मैना नहीं मिली। उसी शाम अउटरम ने नाना साहब के महल पर गोले बरसाकर उसे ध्वस्त कर दिया।

टाइम्स में छपा पत्र

लंदन के 'टाइम्स' समाचार पत्र में 6 सितंबर को एक लेख छपा था। जिसमें कानपुर हत्याकांड का बदला लेने, सेनापति 'हे' को मैना के सौंदर्य पर मोहित होने के कलंक और मैना को 'हे' के सामने फाँसी पर लटका देने के बारे में लिखा गया था।

मैना की क्रूर हत्या

नाना साहब का महल ध्वस्त कर दिया गया। सितंबर माह। आधी रात के समय मैना राजमहल के खंडहरों पर बैठी रो रही थी। अउटरम की सेना भी पास ही ठहरी हुई थी। उसके रोने की आवाज सुनकर कुछ सैनिक वहाँ पहुँचे। जनरल अउटरम भी वहाँ पहुँच गया। उसने मैना को पहचान लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया। मैना ने वहाँ जी भरकर रोने का कुछ समय माँगा, पर पाषाण-हृदय अउटरम ने उसे अनुमति नहीं दी। उसे हथकड़ी पहनाकर कानपुर के किले में कैद कर दिया गया।

उसके बाद महाराष्ट्र के 'बाखर' पत्र में यह समाचार छपा- कल कानपुर के किले में नाना साहब की इकलौती कन्या मैना को धधकती हुई आग में जलाकर भस्म कर दिया गया। भीषण आग में जलती अनुपमा बालिका को देखकर सब लोगों ने उसे देवी समझकर प्रणाम किया।

प्रश्न

प्रश्न 1. मैना की अंतिम इच्छा क्या थी? उसे किसने पूरा नहीं होने दिया?

उत्तर- मैना की अंतिम इच्छा अपने महल के भग्नावशेषों पर बैठकर रोने की थी। मैना की वह इच्छा जनरल अउटरम ने पूरी नहीं होने दी। अउटरम ने मैना को गिरफ्तार कर लिया था।

प्रश्न 2. अंग्रेजों ने अपना बदला लेने के लिए कौन-सा घोर अत्याचार किया?

उत्तर- अंग्रेजों ने धुंधूपंत नाना साहब से बदला लेने के लिए नाना साहब के महल को ध्वस्त कर दिया और उनकी बेटी मैना को अत्यंत क्रूरता के साथ आग में जलाकर भस्म कर दिया था।

धन्यवाद